VAR और फ़ुटबॉल के कानूनों में 2026/27 के बदलाव: “ग़लत पहचान” नियम और विश्व कप के विवाद

खेल-प्रशासन और प्रौद्योगिकी | समाचार संदर्भ: 12 जुलाई 2026 (AP रिपोर्ट) | प्रकाशित: 22 अक्टूबर 2026

खबरों में क्यों

विश्व कप 2026 में VAR के कई निर्णयों पर विवाद हुआ। AP के अनुसार क्वार्टर फ़ाइनल में स्विट्ज़रलैंड के ब्रील एम्बोलो को VAR समीक्षा के बाद दूसरा पीला कार्ड मिला और वे बाहर भेजे गए। इससे IFAB के 2026/27 के नए "ग़लत पहचान" (mistaken identity) नियम और VAR के बढ़ते दायरे पर बहस तेज़ हुई। AP (PBS न्यूज़ पर, 12 जुलाई 2026) के अनुसार टूर्नामेंट में नए नियमों और तकनीक से जुड़े कई विवादित निर्णय आए।

पृष्ठभूमि: VAR क्या करता है

- VAR मैदान के बाहर वीडियो-कक्ष से मैच देखने वाला अधिकारी है, जो सीमित श्रेणियों में मैदानी रेफ़री को सुझाव देता है। रेफ़री सुझाव पर साइडलाइन मॉनिटर देखकर अंतिम निर्णय स्वयं लेता है (PBS/AP के वर्णन के अनुरूप)।
- खेल के नियम बनाने वाली संस्था International Football Association Board (IFAB) है। गार्डियन के अनुसार FIFA के पास IFAB में आधे मत हैं, पर नियम कब लागू हों, इसमें उसके पास लचीलापन है। प्रेस-रिपोर्टों में कहा गया है कि नियम 1 जुलाई से औपचारिक रूप से बदले, पर टूर्नामेंट में उन्हें पहले से लागू किया गया। IFAB के जिस पृष्ठ को हमने पढ़ा, उसमें "जुलाई 2026 में अद्यतन" लिखा है; उसमें 1 जुलाई की लागू होने की तिथि हमें नहीं मिली।
- IFAB के 2026/27 के पाठ के अनुसार VAR की समीक्षा में दो नई बातें जुड़ी हैं। पहली, "ग़लत पहचान": रेफ़री पीला या लाल कार्ड दिखाए, पर साफ़ तौर पर किसी दूसरे खिलाड़ी को दंडित कर दे, तो पहचान की समीक्षा हो सकती है। यह ग़लती किसी भी टीम के खिलाड़ी के मामले में हो सकती है। अपराध की समीक्षा केवल ग़लत पहचान के संदर्भ में हो सकती है। दूसरी, साफ़ तौर पर ग़लत दूसरे पीले कार्ड से मिले लाल कार्ड की समीक्षा।
- IFAB के अनुसार प्रतियोगिताएँ चाहें तो साफ़ तौर पर ग़लत दिए गए कॉर्नर किक की भी समीक्षा रख सकती हैं। यह तभी हो सकता है जब निर्णय तुरंत और खेल दोबारा शुरू होने में देरी किए बिना बदला जा सके। कॉर्नर जल्दी ले लिया गया हो, तो निर्णय नहीं बदला जा सकता। यह वैकल्पिक व्यवस्था है।

विश्व कप के विवादित निर्णय (AP/PBS, 12 जुलाई 2026)

- **स्विट्ज़रलैंड बनाम अर्जेंटीना (क्वार्टर फ़ाइनल):** रेफ़री जोआओ पिन्हेरो ने पहले अर्जेंटीना के पारेदेस को पीला कार्ड दिया। AP के अनुसार VAR समीक्षा में एम्बोलो पर "स्पष्ट सिमुलेशन" (दिखावटी फ़ाउल) पाया गया और उन्हें दूसरा पीला कार्ड मिला। यह स्विट्ज़रलैंड के 1-1 करने के पाँच मिनट बाद हुआ; अर्जेंटीना ने अतिरिक्त समय में 3-1 से जीत दर्ज की। AP के अनुसार तकनीकी रूप से यह "ग़लत पहचान" का मामला नहीं था, क्योंकि रेफ़री ने असल समय में सिमुलेशन देखा ही नहीं था। IFAB के जो पाठ हमने पढ़े, उनमें इस स्थिति का कानूनी आधार अलग से नहीं समझाया गया है, इसलिए इस निर्णय के नियम-आधार पर हम कोई निष्कर्ष नहीं देते। स्विस कोच ने निर्णय की आलोचना की।
- **जर्मनी बनाम पैराग्वे (अंतिम-32):** अतिरिक्त समय में ताह का संभावित विजयी गोल, गोलकीपर पर फ़ाउल के कारण VAR समीक्षा के बाद रद्द हुआ। FIFA के रेफ़री-प्रमुख कोलिना के अनुसार अधिकारियों को ऐसे मामलों में दंड देने को कहा गया था, जहाँ खिलाड़ी गेंद खेलने का प्रयास किए बिना विरोधी को रोकते हैं, विशेषकर गोलकीपर के मामले में।
- **क्रोएशिया बनाम पुर्तगाल (अंतिम-32):** "कनेक्टेड बॉल" में लगे सेंसरों ने बिल्ड-अप में हल्का स्पर्श पकड़ा, जिससे क्रोएशिया का देर से किया गोल ऑफ़साइड घोषित हुआ। FIFA के अनुसार सेंसर प्रति सेकंड 500 बार डेटा लेते हैं और बारीक संपर्क पहचान सकते हैं। क्रोएशिया के कोच ने निर्णयों की आलोचना की।

- **मिस्र बनाम अर्जेंटीना (अंतिम-16):** एक गोल बहुत पहले हुए फ़ाउल के कारण रद्द हुआ। मिस्र के महासंघ ने निर्णयों की संगति और निष्पक्षता पर प्रश्न उठाए। कोलिना ने कहा कि फ़ाउल और गोल के बीच दूरी या समय की कोई तय सीमा नहीं है।
- **इंग्लैंड बनाम नॉर्वे (क्वार्टर फ़ाइनल):** नॉर्वे का दावा था कि गेंद कैमरा-तार से लगी; FIFA के अनुसार सेंसर में कोई संपर्क-संकेत नहीं मिला। कॉर्नर से पहले के हालैंड के फ़ाउल पर नॉर्वे का गोल रद्द हुआ, क्योंकि कॉर्नर-स्थितियों में फ़ाउल रोकने के नए नियमों में VAR गेंद खेले जाने से पहले की घटना भी देख सकता है।

ये सभी विवरण AP की रिपोर्ट से हैं; हमने मैच-फ़ुटेज या FIFA के मूल बयान नहीं देखे।

विश्लेषण

- **नियम का नाम बनाम प्रयोग (BBC):** BBC के अनुसार विश्व कप में यह नियम दो बार लगा: अमेरिका के टिम रीम का पीला कार्ड बदलकर पैराग्वे के मिगुएल अल्मिरोन को दिखावे के लिए दिया गया, और एम्बोलो का मामला। BBC के अनुसार कई घरेलू लीगों ने कहा कि सिमुलेशन के लिए इस नियम के उपयोग का पहले ज़िक्र नहीं था। FIFA के कोलिना ने पूर्व-विश्व कप ब्रीफ़िंग में यूरो 2016 फ़ाइनल का हैंडबॉल उदाहरण दिया था।
- **UEFA का भिन्न रुख (BBC, 17 जुलाई):** UEFA ने अपने VAR को निर्देश दिया कि इस नियम का उपयोग केवल वास्तविक ग़लत पहचान के मामलों में करें, सिमुलेशन के लिए नहीं। उसका तर्क: ग़लत पहचान तथ्यात्मक निर्णय है, जबकि फ़ाउल से सिमुलेशन में बदलना भिन्न और व्यक्तिपरक अपराधों की समीक्षा है। यानी एक ही IFAB नियम की व्याख्या अलग-अलग आयोजक अलग ढंग से कर रहे हैं।
- **चिंताएँ (BBC):** एक लीग के अनुसार हर पीले कार्ड की सिमुलेशन-समीक्षा "अराजकता" ला सकती है; कार्ड न दिखने पर समीक्षा नहीं हो सकती, इसलिए "दो-स्तरीय" व्यवस्था बनती है; "स्पष्ट सिमुलेशन" पर संगति कठिन है।
- **प्रशासनिक प्रश्न (गार्डियन, राय-लेख):** लेखक के विचार में कम परखे गए नियम-परिवर्तनों को सीधे बड़े टूर्नामेंट में लागू करना भ्रम बढ़ाता है। यह लेखक का मत है।
- **तटस्थ निष्कर्ष:** तकनीक (सेंसर, VAR) निर्णयों की सटीकता बढ़ाती है, पर नियमों की स्पष्टता, पूर्व-संप्रेषण और सभी आयोजकों में एकरूपता के बिना विश्वसनीयता पर प्रश्न उठते हैं। विभिन्न निर्णय सही थे या ग़लत, इस पर हम कोई निर्णय नहीं देते।

परीक्षा की दृष्टि से

- **प्रारंभिक/सामान्य जागरूकता:** VAR, IFAB, FIFA विश्व कप 2026 कनेक्टेड बॉल तकनीक।
- **मुख्य परीक्षा (GS-3, विज्ञान-प्रौद्योगिकी और समाज):** खेलों में निर्णय-सहायक तकनीक के लाभ और सीमाएँ; मानव विवेक बनाम स्वचालित निर्णय।
- **संभावित प्रश्न:** "खेलों में तकनीक-आधारित समीक्षा निष्पक्षता बढ़ाती है या नई अनिश्चितता लाती है? विश्व कप 2026 के संदर्भ में चर्चा कीजिए।" (150 शब्द)

स्रोत और सीमाएँ

- AP, PBS News, 12 जुलाई 2026 (पढ़ा): https://www.pbs.org/newshour/world/what-to-know-about-new-rules-and-technology-behind-the-world-cups-most-contentious-calls
- IFAB, Law changes 2026/27 ("जुलाई 2026 में अद्यतन") (पढ़ा): https://downloads.theifab.com/downloads/changes-to-the-laws-of-the-game-

202627?l=en

- IFAB, VAR प्रोटोकॉल पृष्ठ (पढ़ा): https://www.theifab.com/laws/latest/video-assistant-referee-var-protocol/
- BBC Sport, 17 जुलाई 2026 (पढ़ा; अंतिम अंश कटा मिला): https://www.bbc.com/sport/football/articles/c89nlvwx410o
- The Guardian, राय-लेख, 15 जुलाई 2026 (आरंभिक भाग पढ़ा): https://www.theguardian.com/football/2026/jul/15/world-cup-refereeing-var
- **सीमाएँ:** नियमों का वर्णन IFAB के उपरोक्त दो पृष्ठों से है। FIFA के मूल बयान और मैच-फ़ुटेज नहीं देखे गए; मैचों के परिणाम और घटनाएँ AP, BBC और गार्डियन की रिपोर्टों से हैं। BBC का लेख आख़िरी हिस्से में कटा मिला और गार्डियन का केवल आरंभिक भाग पढ़ा गया। 1 जुलाई की लागू होने की तिथि प्रेस-रिपोर्टों पर आधारित है। विश्व कप के फ़ाइनल और उसके बाद के घटनाक्रम इस लेख में शामिल नहीं हैं।